धारा-370 मुक्त कश्मीर

यथार्थ से स्वप्न की ओर

डॉ. शुभ्रता मिश्रा

धारा-370 मुक्त कश्मीर
यथार्थ से स्वप्न की ओर

धारा-370 मुक्त कश्मीर

यथार्थ से स्वप्न की ओर

डॉ. शुभ्रता मिश्रा

वाणी प्रकाशन

वाणी प्रकाशन

4695, 21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली 110 002

शाखा

अशोक राजपथ, पटना 800 004

फ़ोनः +91 11 23273167 फ़ैक्सः +91 11 23275710

www.vaniprakashan.in
vaniprakashan@gmail.com

Dhara-370 Mukt Kashmir : Yatharth Se Swapna Ki Or
By Dr. Shubhrata Mishra

ISBN : 978-93-5072-865-9
Social Science

© 2015 डॉ. शुभ्रता मिश्रा

प्रथम संस्करण

मूल्य : ₹95.00

इस पुस्तक के किसी भी अंश को किसी भी माध्यम में प्रयोग करने के लिए प्रकाशक से लिखित अनुमति लेना अनिवार्य है।

शुभम् ऑफ़सेट, दिल्ली-110 032 में मुद्रित

वाणी प्रकाशन का लोगो मक़बूल फ़िदा हुसेन की कूची से

प्राकृतिक जलसमाधि में लीन
कश्मीरी मौन संवेदनाओं
के प्रति समर्पित

पुस्तक का सारांश

प्रस्तुत पुस्तक धारा-370 मुक्त कश्मीर के भावी अस्तित्व पर आम लोगों से निर्णय लेने की अपील कर रही है। धारा-370 अब तक कश्मीर का कड़वा यथार्थ है, परन्तु धारा-370 मुक्त कश्मीर अधिकांश आम व खास भारतीयों का स्वप्न है। कश्मीर विचित्रताओं और विशेषताओं का तो यूँ भी धनी है, परन्तु यहाँ एक और विचित्रता सामने आ रही है कि कोई भी तथ्य प्रायः ही स्वप्न से यथार्थ की ओर गमन करता है, लेकिन धारा-370 का मार्ग सामान्य से हटकर है। प्रस्तुत पुस्तक संक्षिप्त में कश्मीर को उसके इतिहास से लेकर वर्तमान तक की यात्रा करवाती है, साथ ही लेखिका की अपनी कश्मीर-यात्रा का भी वृत्तान्त दिया गया है। इन दोनों ही कश्मीरी यात्राओं में धारा-370 की भूमिका बहुत मायने रखती है। धारा-370 की कानूनी और संवैधानिक पेचीदगियों की गहराइयों से हटकर आम भारतीय लोगों की सोच के माध्यम से भावनात्मक तौर पर धारा-370 मुक्त कश्मीर के ऐसे स्वप्न को देखने का प्रयास किया गया है, जो कभी तो सच अवश्य होगा।

आभार

प्रस्तुत पुस्तक के लिए मैं विशेषरूप से उन समस्त जनों की आभारी हूँ, जिन्होंने पूर्णतया अपरिचित होते हुए भी मेरी इस पुस्तक के विषय के लिए धारा-370 से सम्बद्ध अपने बेहद सहज भावनाओं युक्त विचारों को फेसबुक द्वारा मुझे पढ़ने का अवसर प्रदान किया। धारा-370 का विषय वैसे भी आम विचार-विमर्श तक पहुँच चुका है, इसको किन्हीं संवैधानिक पुस्तकों के अध्ययन की तुलना में मौखिक चर्चाओं द्वारा अधिक सरलता से समझा जा सकता है। मेरी यह पुस्तक पूर्णतया भावनात्मक आधार पर धारा-370 और उससे कश्मीर के रिश्तों पर बल देते हुए लिखी गयी है। धारा-370 मुक्त कश्मीर की कल्पना अब प्रत्येक भारतीय की हठ बन चुकी है और शीघ्र ही यह यथार्थ के धरातल पर दृष्टिगोचर भी होगी।
मेरी कश्मीर-यात्रा के दौरान मिले वे सभी कश्मीरी भी मेरे आभार के पात्र हैं, जिनकी निरीह व भोलीभाली आँखों ने न चाहते हुए भी धारा-370 मुक्त कश्मीर की अपनी लालसा से हमें अनुभवीत कर दिया था।

मेरे विचारों को पुस्तक रूप प्रदान करने में प्रत्यक्ष व परोक्षरूप से उन समस्त इस पुस्तक में सन्दर्भित विज्जनों, लेखकों और शोधकर्ताओं का भी अत्यधिक योगदान रहा है, जिन्होंने अपने लेखों, पुस्तकों व शोधों के माध्यम से धारा-370 के विषय का गहन अध्ययन कर पाने हेतु मुझे अपनी अमूल्य सहायता प्रदान की है।

पुस्तक प्रकाशन हेतु भी मैं *वाणी प्रकाशन,* नयी दिल्ली की हृदय से आभ. ारी हूँ, जिन्होंने पुस्तक के विषय की गम्भीरता को समझते हुए उचित समय पर पुस्तक के प्रकाशन में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

अन्त में मैं अपने पति डॉ. रवि मिश्रा का हृदय से आभार प्रकट करतीं हूँ, जिनकी अभिप्रेरणा व सम्बल के कारण ही मैं धारा-370 जैसे राष्ट्रीय संवेदनशील विषय पर इस पुस्तक को लिख पाने और भारतीय आमजनों तक इसे प्रस्तुत कर पाने की शक्ति एकत्रित कर सकी। डॉ. मिश्रा के चुनौतीपूर्ण समग्र सहयोग

[redacted]-370 [redacted] :
[redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted]

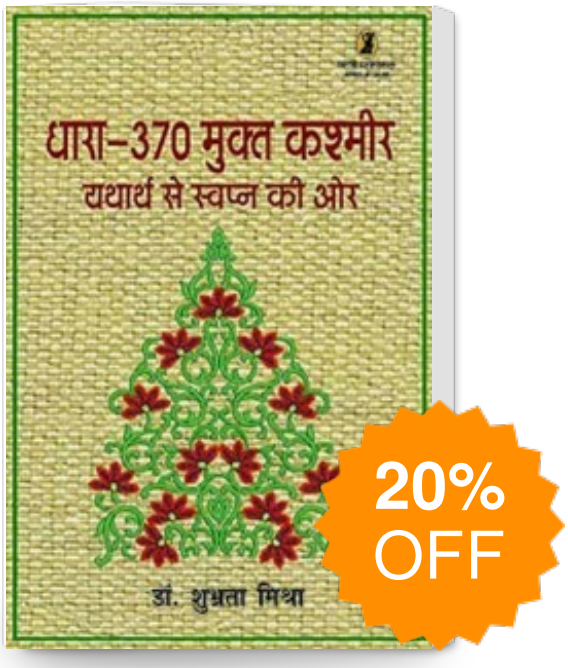

Publisher : Vani Prakashan ISBN : 9789350728659 Author : Shubhrata Mishra

Type the URL : http://www.kopykitab.com/product/9204

Get this eBook